आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 15.05.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- चारधाम यात्रा के सम्बन्ध में फेक न्यूज और वीडियो बनाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- सुरक्षित व सुगम चारधाम यात्रा के लिए पांच हजार से अधिक पुलिसकर्मी यात्रा रूट पर तैनात किए गए हैं।
- मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने प्रदेश के सभी सरकारी विभागों को सिर्फ मानकीकृत और प्रमाणीकृत उत्पादों की खरीद के निर्देश दिए।
- चमोली स्थित चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर के कपाट 18 मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुलेंगे।

कार्रवाई

चारधाम यात्रा के सम्बन्ध में फेक न्यूज और वीडियो बनाने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा है कि यात्रा के संबंध में दुष्प्रचार करने वालों के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। देहरादून में संबंधित अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में श्रीमती रतूड़ी ने बिना पंजीकरण और ट्रिप कार्ड या पोस्ट डेटेड रजिस्ट्रेशन की बसों और गाड़ियों के यात्रामार्ग पर संचालन करने वालों को तत्काल रोकने और वापस भेजने के निर्देश दिए। बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों को जगह–जगह पर स्थापित चेक पॉइन्टस पर चिन्हित कर उचित कार्यवाही की जाएगी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को अपने मोबाइल पर प्राप्त किसी भी श्रद्धालु की शिकायत पर तेजी के साथ उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को अपने मोबाइल 24 घण्टे खुले रखने और यात्रा से सम्बन्धित शिकायतों को अनिवार्य रुप से सुनने को भी कहा। चारधाम यात्रा पर आने वाले कुछ श्रद्धालुओं द्वारा पंजीकरण के दौरान अपनी मेडिकल हिस्ट्री की गलत जानकारी देने के मामलों को भी मुख्य सचिव ने गम्भीरता से लिया है। उन्होंने 50 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों की हेल्थ स्क्रीनिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

तैनाती

सुरक्षित व सुगम चारधाम यात्रा के लिए पांच हजार से अधिक पुलिसकर्मी यात्रा रूट पर तैनात किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा कि इस वर्ष चारधाम यात्रा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इससे यात्रा मार्ग पर जाम की समस्या हो रही है, जिससे निपटने के लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस और पर्यटन विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर विभिन्न स्थल चिह्नित किए गए हैं, जहां पर आवश्यकतानुसार ट्रैफिक को रोका जाएगा।
पुलिस महानिदेशक ने श्रद्धालुओं से यात्रा प्रबंधन से संबंधित अफवाहों पर ध्यान न देने का आह्वान किया है।

## सुगम यातायात

गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने कहा है कि प्रदेश में सुगम और सुरक्षित चारधाम यात्रा के संचालन के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर कुछ यात्रियों को यमुनोत्री व गंगोत्री मार्ग पर ठहराया भी जा रहा है। सूक्की टॉप से लौटते समय व गंगनानी से आगे गेट सिस्टम लागू किया गया है और यहां पर श्रद्धालुओं के ठहरने के प्रबंध भी किये गए हैं। श्री पांडेय ने बताया कि अगर कोई टूर ऑपरेटर पंजीकरण वाले दिनों से अलावा तीर्थयात्रियों को ले जाते हुए मिलता है तो यात्रियों को रोकने के साथ ही वाहनों के परमिट भी सस्पेंड किये जायेंगे।

## मुख्य सचिव

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने राज्य के सभी सरकारी विभागों को सिर्फ मानकीकृत और प्रमाणीकृत उत्पादों की खरीद के निर्देश दिए हैं। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो को राज्य में उत्पादों के प्रमाणीकरण के प्रशिक्षण से सम्बन्धित अपना नियमित कैलेण्डर जारी करने का अनुरोध किया। श्रीमती रतूड़ी ने मानकीकरण और प्रमाणीकरण को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को जागरूक करने के साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में राज्य में औद्योगिक उत्पादों के मानकीकरण एवं गुणवत्ता के लिए राज्य स्तरीय समिति की चौथी बैठक में मुख्य सचिव ने यह निर्देश दिए।

## पहला सेट जारी

नागरिकता–संशोधन अधिनियम 2024 की अधिसूचना के बाद नागरिकता प्रमाण पत्रों का पहला सेट जारी किया गया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने आज नई दिल्ली में 14 आवेदकों को नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपे। गृह मंत्रालय के अनुसार कई अन्य आवेदकों को डिजिटल हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र ई–मेल के माध्यम से भेजे जा रहे हैं। ये आवेदन, 31 दिसम्बर 2014 तक भारत में प्रवेश कर चुके पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों से प्राप्त हुए थे।

## पहाड़ी उत्पाद

चमोली जिले में स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत मुहिम चलाई जा रही है। इससे बदरीनाथ मार्ग पर पहाड़ी दाल, अनाज और जूस के शौकीन लोगों को आसानी से पहाड़ी उत्पाद मिल रहे हैं। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि विभाग की ओर से जिले के 11 स्थानों पर पहाड़ी उत्पादों के विपणन के लिये आउटलेट बनाए गए हैं। शुक्रवार से नंदप्रयाग में पहाड़ी व्यंजनों के ढाबे का संचालन भी किया जाएगा, जिससे देश–विदेश से आने वाले तीर्थयात्री यात्रा मार्ग पर पहाड़ी व्यंजनों का लुत्फ ले सकेंगे।

## ग्रीष्म कालीन विज्ञान शिविर

अल्मोड़ा के स्यालीधार स्थित मानसखंड विज्ञान केंद्र में आज से राज्य स्तरीय ग्रीष्म कालीन विज्ञान शिविर शुरू हो गया है। गर्मियों की छुट्टी के दौरान बच्चों में खेल–खेल में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दो वर्गों में विभाजित यह शिविर एक माह तक चलेगा। इसके लिए राज्य के विभिन्न जिलों के सरकारी और निजी विद्यालयों बच्चों ने पंजीकरण किया है।

## रुद्रनाथ मंदिर

चमोली जिले में स्थित चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ मंदिर के कपाट आगामी 18 मई को सुबह पांच बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। गोपीनाथ मंदिर के गर्भगृह से आज भगवान रूद्रनाथ की प्रतिमा को विधि विधान के साथ मंदिर परिसर में स्थापित किया गया। कल पूजा–अर्चना के बाद रूद्रनाथ की उत्सव डोली रात्रि प्रवास के लिए ल्वींठी बुग्याल और 17 मई को रूद्रनाथ पहुंचेगी।

## मौसम

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में राज्य के तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस बढ़ने का अनुमान जताया है। साथ ही विभाग ने शनिवार से हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस पार होने की चेतावनी भी जारी की है। विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं–कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है। इस बीच, प्रदेश में आज मौसम सामान्य बना रहा। पिछले चौबीस घण्टों में राज्य में सबसे अधिक तापमान रूड़की में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

## शहीद का सैन्य सम्मान से विदाई

मध्य प्रदेश के राजगढ़ में सड़क हादसे में चम्पावत जिले के शहीद हवलदार केडी जोशी का आज सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। झांसी के ईएमई बटालियन में तैनात केडी जोशी जोशी भोपाल में अग्निवीर सैनिकों को वाहन चलाने का प्रशिक्षण देने के दौरान एक दुर्घटना में शहीद हुए थे।

## आलू की फसल  चौपट

चम्पावत जिले के पर्वतीय क्षेत्र में बीते चार महीने से बारिश न होने के कारण किसानों की आलू सहित विभिन्न फसलों को विपरीत नुकसान पहुंचा है। जिले के देवीधुरा, धुनाघाट, कमलेख, तपनीपाल, गोशनी, सुई, बिशुंग, किमतोली, मुड़यानी, चम्पावत सहित अधिकतर स्थानों में सैकड़ों हेक्टेयर क्षेत्रफल में आलू की खेती की जाती है। इससे आलू की खेती करने वाले  किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसानों ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर सरकार से क्षेत्र को सूखाग्रस्त घोषित कर आर्थिक सहायता देने की मांग की है।